

ये लड़ाई हम सबकी, इसमें सभी सहयोग करें : लव कुमार

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव कुमार ने कहा कि कोरोना के खिलाफ ये लड़ाई हम सबकी है, आप सभी इसमें सहयोग करें। वहीं कोरोना के महानजर देशभर में लोकडाउन पर गृहमंत्रालय लगातार निगरानी कर रहा है। लगातार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से बातचीत चल रही है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए रिलीफकैप की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। उनके लिए खाने-पीने की व्यवस्था करने की बात भी राज्यों से कही गई है।

लॉकडाउन हा निगरानी

गृहमंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि आप्रवासी मजदूरों तक जरूरी सुविधा मुहैया कराए जाने

की जानकारी पहुंचाए जाने के लिए भी कहा गया है। मजदूरों के रहने-खाने की व्यवस्था के लिए कहा गया है। राज्यों से आपदा प्रबंधन पंथ के इस्तेमाल का निर्देश दिया है। **शेष पृष्ठ 5 पर**

बीजिंग/ जेनेवा/ नयी दिल्ली। विश्व के अधिकतर देशों में फैल चुके कोरोना वायरस 'कोविड 19' का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब तक इस खतरनाक वायरस से 26,934 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 590,899 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता जा रहा है और देश में अब तक इससे संक्रमितों की संख्या 834 हो गयी है जबकि इसके संक्रमण से अब तक कुल 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इस वैश्विक महामारी के केंद्र चीन में 81,934 लोगों की कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और करीब 3,295 लोगों की इस वायरस के चपेट में आने के बाद मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के दौरान इस बीमारी का सबसे बुरा प्रकोप इटली से **शेष पृष्ठ 5 पर**

लॉकडाउन: पैसों की कमी से जूझ रहे हैं दिहाड़ी मजदूर

1,400 किमी का रास्ता नापने को मजबूर

रोजी-रोटी जाने का डर वडाला की संकरी गलियों तक पहुंचा, घर जाएंगे मजदूर

टेक्सटाइल यूनिट में काम करने वाले करीब 2 हजार कारीगर खाने-पीने की किल्लत से जूझ रहे हैं

रफी अहमद किदवाई मार्ग स्थित नेशनल मार्केट में छोटे पैमाने वाली कपड़ा इकाइयों में हैं मजदूर

मुंबई (ए.)। लॉकडाउन के चलते रोजी-रोटी जाने का डर वडाला की संकरी गलियों तक पहुंच गया है। यहां छोटी टेक्सटाइल यूनिट में काम करने वाले यूपी के करीब 2 हजार कारीगरों ने खाने और पैसे की किल्लत के चलते अपने घरों को जाने का फैसला किया है। ये मजदूर अब पैदल ही 1,400 किमी का सफ़र तय करेंगे। बता दें कि लॉकडाउन के बाद से देशभर से मजदूरों की घर वापसी की कई तस्वीरें सामने आ रही हैं। ये मजदूर पैदल ही घर की ओर निकल पड़े हैं। ये सभी कारीगर रफी अहमद किदवाई मार्ग स्थित नेशनल मार्केट में छोटे पैमाने वाली कपड़ा इकाइयों में काम करते हैं। राज्य में कोरोना के मरीज बढ़ते ही इन यूनिटों को बंद कर दिया गया था। इन यूनिटों को बंद हुए 20 दिन हो चुके हैं। कारीगरों के मालिकों ने उनसे कहा था कि अगर वे अपने खोली का किराया देते हैं तो उन्हें भोजन दिया जाएगा।

कारीगरों को सता रही घर की चिंता

तीन हफ्ते तक दिन यह सिलसिला जारी रहा और उन्हें दिन में दो बार का खाना उपलब्ध कराया गया। लेकिन अब उनका कहना है कि स्टॉक की कमी के चलते वे आगे यह चैरिटी जारी नहीं रख पाएंगे। ये टेक्सटाइल



वर्कर महीने में 15 हजार से 20 रुपये कमाते हैं। अब ये सभी अपने घर उत्तर प्रदेश लौटना चाहते हैं। इन्हें अपने बड़े माता-पिता पत्नी और बच्चों की चिंता सता रही है।

‘ट्रेन, बस बंद तो पैदल जाएंगे’

एक कारीगर रफीक शेख कानपुर जाने के लिए तैयार हैं। वह कहते हैं, ‘मेरे पास सिर्फ 5 हजार रुपये बचे हैं और मैं नहीं चाहता यहां रहकर पूरी तरह खर्च हो जाएं।’ वह कहते हैं, ट्रेनों, ‘बस सब कुछ बंद है। अगर कोई हमारी मदद को आगे नहीं आया तो हम पैदल की चलेंगे।’ उनके रूममेट कहते हैं, ‘यहां भुखमरी से ज्यादा गांव में मरना बेहतर रहेगा।’

‘खाना खाना अब नहीं बचे पैसे’

300 होलसेल डीलर वाले एम्प्लॉयर एसोसिएशन ने कुछ दिन पहले कारीगरों को खाना खिलाने के लिए मार्केट प्लेस पर ही एक किचन बनाई थी। नेशनल मार्केट के अध्यक्ष यासीन शेख कहते हैं कि एसोसिएशन के पास महीनों तक खाना खिलाने के लिए पंड नहीं है। उन्होंने कहा, ‘लॉकडाउन ने हमें विकलांग कर दिया है। हमारी ग्रांसरी स्टॉक और पैसा सब खत्म हो गया है। लॉकडाउन के समय ब्लक में सामान लेना भी चुनौती बन गया है। 2000 मजदूरों को खिलाने के लिए हमें बड़ी मात्रा में सामान की जरूरत है जो वाशी में एपीएमसी मार्केट से ही मिल सकता है लेकिन पुलिस हमें वहां जाने नहीं दे रही।’



मजदूरों के पलायन पर बोले पी चिदंबरम

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन के दौरान मजदूरों एवं गरीबों के अपने घरों के लिए पैदल निकलने को लेकर पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। पी चिदंबरम ने लॉकडाउन को लेकर कहा कि सरकार ने बिना किसी तैयारी के यह फैसला लिया। पी चिदंबरम ने पूछा है कि अगर लॉकडाउन में अपने घरों की ओर लौट रहे प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों क्या कर रही हैं? पी चिदंबरम ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ‘केंद्र और राज्य सरकारों उन प्रवासी श्रमिकों के बारे में क्या कर रही हैं, जिन्हें शहरों और कस्बों को छोड़ने की अनुमति दी गई थी और जो अपने गांवों में वापस जाने का रास्ता तलाश रहे हैं?’ वहीं एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, भीड़-भाड़ वाली बसों या पैदल गांवों में वापस जाने से लॉकडाउन में काफी



गिरावट आई है। यह सरकारों की बिना तैयारी का एक और संकटपूर्ण उदाहरण है।’ भारत में अब तक कुल 873 लोगों के कोरोनावायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जिसमें से 775 व्यक्ति अभी भी कोविड-19 से ग्रस्त हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। देश में कोरोनावायरस महामारी के चलते 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें केरल में एक मौत का मामला भी शामिल है। इसके अलावा, उपचार के बाद 78 व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गए हैं। देश के 27 राज्य और केंद्र

लॉकडाउन सरकार की बिना तैयारी का एक संकटपूर्ण उदाहरण

लोगों को बसों से भेजना गलत, ऐसे में लॉकडाउन फेल हो जाएगा: नीतीश

पटना (ए.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि लॉकडाउन में विशेष बसों से लोगों को एक से दूसरे जगह भेजना ठीक नहीं है। इससे लॉकडाउन करने का कोई फायदा नहीं होगा। एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि अगर इससे बीमारी फैलती है तो उसे रोक पाना मुश्किल होगा। नीतीश कुमार का यह बयान तब आया है जब दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार बसों के जरिए लोगों को उनके घर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। बातचीत में नीतीश कुमार ने सुझाव दिया कि लोग जहां फंसे हुए हैं, उनके लिए उसी स्थान पर व्यवस्था किया जाए। कैम्प लगाकर सरकार उन्हें ठहराए और भोजन की व्यवस्था करे। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे देश में 21



दिन का लॉकडाउन जारी है। इस दौरान सारे कल-कारखाने से लेकर काम-धंधा ठप है। इस कारण अन्य राज्यों से आए मजदूर, मुश्किल में पड़ गए हैं। उनके पास खाने और किराया देने को पैसे नहीं हैं। ऐसे में वे बड़ी संख्या में पैदल ही अपने गांव की तरफ चल पड़े हैं। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश की सरकार ने 200 बसों का इंतजाम किया है। ये बसे नोएडा और गाजियाबाद से हर दो घंटे में लोगों को लेकर जाएंगी। दिल्ली और एनसीआर में काम

कंधे पर मासूम, जेब में 200 रुपये के साथ चंडीगढ़ से मप्र को निकले मजदूर



नई दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण के चलते दुनियाभर के देश तकरीबन ठहर से गए हैं। भारत समेत कई देशों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। दुनिया की तकरीबन एक तिहाई आबादी घरों में रहने के लिए मजबूर है। पिछले बुधवार से ही भारत में भी 21 दिनों का लॉकडाउन चल रहा है। इस कठिन समय में लोग अपने घरों के लिए जा रहे हैं। ज्यादातर मजदूर पैदल ही अपना सामान लेकर घरों और गांवों की ओर निकल पड़े हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़ आदि जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में मजदूर पलायन कर रहे हैं। इसी तरह का मामला चंडीगढ़ में भी सामने आया है। यहां से कुछ मजदूर मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ के लिए जा रहे हैं। इन लोगों के साथ बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इन्होंने कंधे पर बैठा रखा है। पैदल घर के लिए जा रहे लोगों में महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, जब समाचार एजेंसी ने बात की तो एक शख्स ने बताया कि उनकी जेब में सिर्फ दो सौ रुपये हैं। उन्होंने कहा, ‘अगर हम अपने घर नहीं जाएंगे तो हम यहां क्या खाएंगे?’ उन्होंने कहा, ‘मेरी जेब में सिर्फ 200 रुपये ही बचे हैं। इसे मैं रास्ते में बच्चों के लिए कुछ खाने में खर्च करूंगा।’ मालूम हो कि दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसी खबरें और तस्वीरें सामने आ रही हैं। लोग लगातार बिहार और उत्तर प्रदेश पैदल ही जा रहे हैं। इन घटनाओं के सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई मुख्यमंत्रियों ने पलायन कर रहे मजदूरों के लिए व्यवस्था करने के आदेश दिए हैं। वहीं, दिल्ली यूपी बॉर्डर से शनिवार को बसें भी चलाई जा रही हैं, जो लोगों को लेकर उनके गांवों तक जाएंगी।

पलायन रोकने को दिल्ली सरकार की पहल, 568 स्कूलों में खाने की व्यवस्था कर नाइट शेल्टर में बदला

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना लॉकडाउन के चलते पलायन करने को मजबूर बड़ी संख्या में लोगों के दिल्ली-उत्तर प्रदेश की सीमा के पास गाजीपुर में इकट्ठा होने की जानकारी मिलने के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिंसोदिया ने शनिवार को मौके पर जाकर दौरा किया। पैदल ही अपने घरों को निकलने वाले लोग यूपी बॉर्डर से विशेष बसों में सवार होने के लिए बड़ी संख्या में यहां एकत्र हुए हैं। इस दौरान मनीष सिंसोदिया ने कहा कि हमने उन्हें परिवहन के लिए कुछ डीटीसी बसें भी प्रदान की हैं। मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे जहां हैं, वहीं रुके दिल्ली



सरकार उन्हें किसी तरह की दिक्रत नहीं होने देगी। सिंसोदिया ने कहा कि हमने इन लोगों को ठहराने के लिए गाजीपुर के स्कूलों को रैन बसेरों में बदलना शुरू कर दिया है। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे

दिया है। प्रति व्यक्ति 7.5 किलो यानि सामान्य से डेढ़ गुना राशन दिया जा रहा है। सिंसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली सरकार की करीब 100 और उत्तर प्रदेश सरकार की करीब 200 बसें दिल्ली से पैदल जाने की कोशिश कर रहे लोगों को लेकर जा रही हैं। फिर भी सभी से मेरी अपील है कि लॉकडाउन का पालन करें। कोरोना का असर नियंत्रित रखने के लिए यही समाधान है। बाहर निकलने में कोरोना का पूरा खतरा है। वैश्विक महामारी बनकर दुनियाभर में फैल चुके जानलेवा कोरोना वायरस को हराने के लिए

भारत सरकार की ओर से देशभर में 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा किए जाने के बाद दिल्ली और एनसीआर के शहरों में रहने वाले गरीब, मजदूर और प्रवासी लोगों का पलायन जारी है। हालांकि, दिल्ली सरकार ने वादा किया है कि दिल्ली में लोगों को किसी तरह की कोई दिक्रत नहीं होने दी जाएगी और सभी को खाना मिलेगा, लेकिन फिर भी लोग दिल्ली छोड़कर जल्द से जल्द अपने गांवों और घरों को पहुंचना चाहते हैं। इसके चलते दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के बॉर्डर पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

नोएडा: नहीं देना होगा एक महीने तक किराया, डीएम ने जारी किया आदेश

नोएडा (ए.)। देशभर में कोरोना वायरस लॉकडाउन के मद्देनजर नोएडा-ग्रेटर नोएडा में मकान मालिक एक महीने के बाद ही किरायेदारों से किराया ले सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए किसी भी गरीब, मजदूर का घर खाली नहीं करवाया जाएगा। गौतमबुद्धनगर जिला मजिस्ट्रेट बी.एन. सिंह ने शनिवार को यह आदेश जारी किया है। कोरोना वायरस से फैल रही महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। इससे सबसे अधिक परेशानी रोज-कमाने वाले वालों को हो रही है। हालात ये हो गए हैं कि वो शहर छोड़कर अपने-अपने घरों को वापस लौटने

के लिए पैदल ही निकल पड़े हैं। शुक्रवार शाम से ही यूपी और बिहार लौट रहे हजारों लोग गाजियाबाद के यूपी गेट पर पहुंच गए। इसी बीच नोएडा के जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने किराए के मकानों में रह रहे लोगों को बड़ी राहत देते हुए किसी भी मकान मालिक को एक महीने तक किराया ना लेने को कहा है। डीएम की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कोई मजदूर या कर्मचारी जो किसी भी कंपनी या ऑफिस में काम करते हैं। उनसे किसी भी दशा में एक महीने तक किराया नहीं मांगा जाए। मकान मालिक एक महीने के बाद ही किरायेदारों से किराया ले सकते हैं। अगर कोई

ऐसा करता हुआ मिला तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी।

घर जाने के लिए लगी भीड़

यूपी गेट पर आकर फंसे हजारों हजार लोगों को जिला प्रशासन गाजियाबाद ने बसें में भर कर कौशांबी डिपो भेजना शुरू कर दिया है। कौशांबी डिपो से इन लोगों को दूसरी बसें में बैठकर यूपी के विभिन्न शहरों में भेजा जाएगा। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि कौशांबी डिपो में उत्तर प्रदेश के दर्जनों शहरों के लिए बसें आकर लग गई हैं। बस भरते ही उन्हें रवाना करने का काम शुरू कर दिया है।

इधर, यूपी गेट से भी लोगों

कोविड वायरस सेवन करने के बाद धीरे-धीरे 300 लोगों की मौत हो गई और 1000 लोग बीमार पड़

अफवाह, मेथेनॉल पीने से खत्म हो जाएगा कोरोना वायरस...और चली गई 300 लोगों की जान

तेहरान (ए.)। चीन से फैले कोरोना वायरस ने दुनिया के करीब 200 देशों में ऐसी तबाही मचा दी है कि इससे मरने वालों का आंकड़ा 20 हजार पार कर गया है। कोरोना वायरस महामारी को लेकर सोशल मीडिया पर अप्प्राहें भी खूब चलती रहती हैं। ईरान में भी कोरोना वायरस को लेकर एक अप्प्राह ने करीब 300 लोगों की जान ले ली। दरअसल, ईरान में एक अप्प्राह उड़ी कि मेथेनॉल पीने से कोरोना वायरस से उपजे महामारी कोविड-19 से लोग ठीक हो सकते हैं, बस देखते ही देखते इसका सेवन इतने लोगों ने कर लिया कि 300 लोगों की मौत हो गई और 1000 लोग बीमार पड़ गए।



ईरान में फैल रहा है वायरस

दरअसल, ईरान में सोशल मीडिया पर कोरोना वायरस से बचने की यह

अप्प्राह काफी तेजी से फैली। इसके बारे में कम जानकारी होने की वजह से लोगों ने बिना तथ्यों की जांच किए मेथनॉल का सेवन कर लिया। ओस्लो

300 की मौत और 1000 लोग बीमार

ईरानी मीडिया के हवाले से बताया है कि पूरे इस्लामिक रिपब्लिक में मेथेनॉल का सेवन करने से 300 लोगों की मौत हो गई और अब तक 1000 लोग बीमार हो चुके हैं। बता दें कि ईरान में अल्कोहल पीना बैन है और मेथेनॉल नशीला पदार्थ होता है। नशीले पदार्थ मेथेनॉल से मौतों की ये खबर ऐसे वक्त में आई है, जब तेहरान ने शुक्रवार को 144 नए मौत के मामलों की घोषणा की है। कोरोना वायरस से ईरान में अब तक 2378 लोगों की मौत हो चुकी है और 2926 नए मामलों के साथ इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 32300 हो गई है।

में मेथेनॉल प्लाइजनिंग पर अध्ययन करने वाले डॉ नॉट एरिक ने कहा कि ईरान में वायरस फैल रहा है और लोग इससे तेजी से मर रहे हैं और मुझे लगता है कि वे इस तथ्य के बारे में भी कम जानते हैं कि आस-पास अन्य खरों भी हैं। उन्होंने आशंका जताई कि ईरान में

कोरोना का प्रकोप और भी बदतर हो सकता है। शिक्षक और हिस्की और हनी के सेवन से बचाया अपने आप को

दरअसल, ईरानी सोशल मीडिया

अकाउंट्स पर एक झूठी अप्प्राह फैली, जिसमें यह कहा गया कि एक ब्रिटिश स्कूल के शिक्षक और अन्य ने हिस्की और हनी के सेवन से कोरोना वायरस से खुद को बचा लिया। इसके बाद अप्प्राह काफी तेजी से अलग-अलग संदर्भों में फैलने लगी। कुछ लोगों ने यह भी मान लिया कि अधिक मात्रा में अल्कोहल पीने से उनके शरीर में मौजूद कोरोना वायरस मर सकता है। बता दें कि मेथेनॉल में तो गंध होती है और न ही कोई टेस्ट होता है। इससे शरीर के अंग और ब्रेन के डैमेज होने का खतरा होता है। इसके सेवन से लोग कोमा में भी जा सकते हैं।

अफवाह फैलने से हुए शिकार

'अल्कोहल पीने से कोरोना ठीक हो सकता है', अप्प्राह अब भी लोगों में फैल रही है और अगर लोग ऐसे ही इसका सेवन करते रहे तो अभी कई लोग इस जहर के शिकार होंगे। बता दें कि अब तक इस घातक कोरोना वायरस से फैली महामारी कोविड-19 का इलाज नहीं मिल पाया है और यह पूरी दुनिया में कोहराम मचा रहा है। यही वजह है कि इससे प्रकोप से बचने के लिए दुनिया की करीब एक तिहाई आबादी घरों में कैद है। वैज्ञानिक और डॉक्टर इसका वैक्सीन बनाने की लगातार कोशिश में जुटे हैं।

■ न्यूज गैलरी

मघ्र में 15 फरवरी के बाद विदेश से आए 12125 लोग, इसमें इंदौर के 4415 और भोपाल के 2605 लोग शामिल

भोपाल। कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच प्रदेश सरकार ने उन लोगों की सूची जारी की है जो 15 फवरी के बाद विदेश से लौटे हैं। इसमें इंदौर के 4415 और भोपाल के 2605 लोग शामिल हैं। सबसे कम शहडोल से एक व्यक्ति विदेश से लौटा है। इन लोगों में कोरानावायरस की आशंका ज्यादा जताई जा रही है। अब इन लोगों के घर के आगे कोविड-90 सस्पेक्टेड के पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने लोगों की निजता बनाए रखने के लिए सिर्फ जिलेवार संख्या के आंकड़े बताए हैं। विदेश मंत्रालय ने इनके पते सहित लिस्ट मध्य प्रदेश समेत बाकी राज्यों को गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य विभाग को भेजे हैं। अब जिला प्रशासन एक-एक व्यक्ति के घर जाकर पोस्टर चस्पा कर रहा है और होम क्वारेन्टाइन होने की कह रहा है। पड़ोसियों को भी ये हिदायत दी जा रही है कि संबंधित व्यक्ति या उसका परिवार नियमों का पालन नहीं करता है तो उसकी सूचना कॉल सेंटर में दी जाए।

15 फरवरी के बाद किस जिले में आए कितने लोग

भिंड 5, भोपाल 2605, छतरपुर 195, छिंदवाड़ा 98, दमोह 9, दंतिया 3, देवास 122, धार 134, डिंडोरी 3, ग्वालियर 689, गुना 67, हरदा 13, होशंगाबाद 197, इंदौर 4415, जखलपुर 725, झाबुआ 14, खंडवा 212, कटनी 153, खरगोन 51, मंदसौर 45, मुरैना 20, नरसिंhpुर 47, नीमच 206, पन्ना 7, रायसेन 29, राजगढ़ 12, रतलाम 510, रीवा 60, सागर 205, सतना 156, सीहोर 135, शहडोल 1, शिवपुरी 43, सीधी 12, सिंगरोली 13, टीकमगढ़ 28, उज्जैन 605, उमरिया 20, विदिशा 77, कुल 12125 लोग विदेश से लौटे हैं।

एरिया के लोगों से मांगेंगे 28 दिन का हिसाब

विदेश से लौटे लोगों के यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचने लगी है। सभी लोगों से सर्वे फार्म भरवाए जा रहे हैं। इसमें पूरे 28 दिनों की जानकारी मांगी जा रही है। इसमें पूछ जाएगा कि वह किस रेस्त्रां, होटल, मॉल, बार, अन्य घरों, किराना-सब्जी दुकान, मंदिर या अन्य धार्मिक स्थल या कहा-कहां गए थे। किस-किस से और कितने लोगों से मिले। उनके स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग भी होने लगी है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की टीम को जो लोग मिल रहे हैं, उन्हें घर में ही रहने की सख्त हिदायत दी जा रही है। ऐसे लोगों से कहा जा रहा है कि अगर तबीयत खराब होती है तो बिना देर किए कॉल सेंटर को फोन करें। अपनी मर्जी से कोई दवाई नहीं खाएं।

भोपाल समेत प्रदेश में कई स्थानों पर लोगों ने विदेश से आने की जानकारी जिला प्रशासन और पुलिस को नहीं देने पर केस दर्ज किए हैं। भोपाल, ग्वालियर और छतरपुर में एक-एक मामला ऐसे लोगों पर दर्ज हुआ है। इधर, विदेश मंत्रालय द्वारा भेजी गई सूची के बाद कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका के चलते घर के सामने पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। सरकार के इस कदम के बाद लड़ाई झगड़े की नौबत आ रही है। लोग इसे अपनी निजता का हनन मान रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उनकी बदनामी हो रही है। भोपाल में विदेश से लौटे दो परिवार के लोग जिला प्रशासन की टीम से झगड़ने लगे। इधर राज्य सरकार ने अपील जारी कर कहा है कि राज्य में 15 फरवरी के उपरांत विदेश से लौटने वाले मध्य प्रदेशियों की सूची जन स्वास्थ्य संरक्षण के हित में जारी की जा रही है।

पत्रकार की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूर्व मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने खुद को क्वारैंटाइन किया

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी 7 दिन से भोपाल में अपने निवास पर ही हैं, उन्होंने लोगों से मिलना-जुलना बंद कर दिया

कमलनाथ सरकार में खेल मंत्री रहे जीतू पटवारी इन दिनों भोपाल में ही हैं, बेंगलुरु से लौटने के बाद उन्होंने टेस्ट कराया था

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास पर 20 मार्च को कमलनाथ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे एक पत्रकार की कोरोना पॉजिटव रिपोर्ट आने के बाद अधिकांश पूर्व मंत्रियों, कांग्रेस विधायकों और नेताओं ने खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। पूर्व मंत्री सचिन यादव ने तो ये जानकारी ट्वीट कर दी। बताया जाता है कि कमलनाथ की पत्रकार वार्ता के बाद यह पत्रकार वहां मौजूद

कांग्रेस के कई विधायकों से मिला। इसके बाद विधानसभा भी गया। यहां सचिव से मुलाकात की। पत्रकार की रिपोर्ट पॉजिटव आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भी क्वारैंटाइन होने की खबर आई। हालांकि पार्टी के प्रवक्ता ने इसका खंडन किया। कमलनाथ सरकार में कृषि मंत्री रहे सचिन यादव ने शनिवार को खुद को क्वारैंटाइन करने की जानकारी दी।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी 7 दिन से भोपाल में अपने निवास पर ही हैं। उन्होंने लोगों से मिलना-जुलना बंद कर दिया। घर पर किसी को आने की इजाजत नहीं है। उन्होंने अपने ऑफिस के लोगों को भी घर से ही काम करने के लिए कहा। सिंह के निजी सचिव ओपी



शर्मा ने बताया कि हालत को देखते हुए उन्होंने ये निर्णय लिया है। वे फोन पर पूरे प्रदेश का हाल ले रहे हैं। देश-विदेश में

जहां भी प्रदेश के लोग परेशान हैं उनके पास इसकी जानकारी आ रही है। वे जिम्मेदार लोगों को फोन पर उनकी मदद

करने को कह रहे हैं। कुछ इसी तरह की सावधानी उनके बेटे कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे जयवर्धन सिंह भी बरत रहे हैं। खेल मंत्री रहे जीतू पटवारी इन दिनों भोपाल में ही हैं। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से लौटने के बाद उन्होंने टेस्ट कराया था। रिपोर्ट निगेटिव आई है। उनकी दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आया है। सुबह करीब 40 मिनट एक्सरसाइज और 2 किलोमीटर की दौड़ लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय ही ऐसा है कि जितनी सावधानी बरती जाए, उतना ही अच्छा है। मैं अपने परिवार के साथ पूरा समय बिता रहा हूं। इसी तरह पूर्व मंत्री आरिफ अकील ने भी खुद को क्वारैंटाइन कर रखा है। कांग्रेस की

मीडिया प्रभारी शोभा ओझा ने भी खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। ओझा इंदौर में अपने घर पर हैं। वे 30 मार्च को पत्रकारों से मिल रही थीं। उन्होंने दिल्ली से आए कई पत्रकारों से देर तक बात की। ओझा का कहना है कि वे इन दिनों इंदौर में अपने घर पर खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। उनका कहना है कि पार्टी के अन्य विधायक और नेता भी सावधानी बरत रहे हैं। ज्यादा लोगों से तो फिलहाल उनकी बात नहीं हुई है, लेकिन उनकी जानकारी में ये बात जरूर है कि विधायक और नेता फिलहाल अपने घर पर ही हैं। और वे फोन पर लोगों की मदद कर रहे हैं।

लॉकडाउन में ना देशी ना विदेशी, नहीं खुलेगी शराब की कोई दुकान

देशभर में 21 दिन का लॉकडाउन, तबतक एमपी में बंद रहेंगी शराब की दुकानें

सिनेमा घरों को भी 14 अप्रैल तक बंद रखने के आदेश

मध्य प्रदेश में अबतक कोरोना वायरस के 33 मरीज, दो की मौत

सरकार ने जारी की है 15 फरवरी के बाद विदेश से लौटने वालों की लिस्ट

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉकडाउन के दौरान, मध्य प्रदेश में शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। मुख्यमंत्री



शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यह निर्देश जारी किए। एक्ससाइज ड्यूटी (आबकारी) के अधिकारियों को निर्देश में सीएम ने कहा कि प्रदेश की सभी देशी और विदेशी शराब की दुकानों को फौरन बंद कराया जाए। अगर दुकानें खुली मिलीं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद, आबकारी विभाग ने 14 अप्रैल तक शराब की दुकानों को बंद रखने के आदेश जारी किए। प्रदेश सरकार ने राज्य

के सिनेमा घरों को भी 14 अप्रैल तक बंद रखने के आदेश दिए हैं। मध्य प्रदेश में अबतक कोरोना वायरस के 33 मामले सामने आए हैं और दो की मौत हुई है। राज्य में COVID-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला इंदौर है जहां से अबतक 18 मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को इंदौर से तीन और उज्जैन से एक मामला सामने आया।

अहमदाबाद, सूरत और नागपुर से पैदल ही मध्य प्रदेश लौट रहे मजदूर; बोले- सब बंद हो गया, अब भूखे मरना है तो अपने घर लौटकर मरें

अहमदाबाद से 100 ऑटो चालक परिवार समेत 1 हजार किलोमीटर की यात्रा कर शिवपुरी पहुंचे

मुरैना लौट रहे इन ऑटो चालकों की नहीं हो पाई मेडिकल स्क्रीनिंग, मुरैना प्रशासन अलर्ट

हजारों की संख्या में पैदल लौट रहे हैं, होली की छुट्टी के बाद काम के लिए गए थे नागपुर

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। 21 दिन के लॉक डाउन की सबसे ज्यादा मार मजदूर वर्ग पर पड़ी है। उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मध्य प्रदेश के बैतूल से लगी महाराष्ट्र की



सीमा पर नागपुर से मजदूरों का समूह पैदल 200 किलोमीटर की यात्रा कर घर लौटने को मजबूर हैं। वहीं अहमदाबाद गए मुरैना के करीब 100 ऑटो चालक आज सुबह पलानन कर शिवपुरी पहुंच गए हैं। उन्होंने तीन दिन में करीब 1000 किलोमीटर की यात्रा की है। बोले- तीन दिन से खाना नहीं मिला है, जो वहां से लेकर चले थे, वह रास्ते में खत्म हो गया था। इधर, धार से सूरत कमाने गए मजदूर पैदल चलकर घर लौट रहे हैं। उनका कहना है कि शहर के शहर बंद हो गए हैं, हमारे लिए कोई काम

ही नहीं बचा है। होली के बाद रोजी-रोटी कमाने के जुगाड़ में गए थे, लेकिन अचानक ही सब बंद हो गया। अगर भूखे ही मरना है तो फिर अपने घर चलकर ही मरें।

मजदूरों के साथ पूरा परिवार है, ओरलें, बच्चे और बुजुर्ग सब शामिल हैं। गुजरात के अहमदाबाद गए करीब 100 ऑटो चालक एक हजार किलोमीटर की यात्रा कर शुक्रवार को सुबह शिवपुरी पहुंचे। यहां पर समाजसेवी संस्थाओं ने उन्हें भोजन कराया और इसके बाद रवाना कर दिया। ये सभी

ऑटो चालक मुरैना जिले के रहने वाले हैं। ये सभी अहमदाबाद में ऑटो चलाते हैं और परिवार के साथ वहां रहते थे, लेकिन पूरे देश में लॉकडाउन होने के बाद इन्हें घर वापस लौटना पड़ा। बीच में जहां पर भोजन मिल गया तो खा लिया, वरना भूखे-प्यासे यात्रा कर रहे हैं। चूंकि इनकी स्क्रीनिंग नहीं हुई है, इसलिए अब मुरैना जिला प्रशासन इसके प्रबंध कर रहा है।

सैकड़ों की संख्या में सूरत से पैदल चलकर आ रहे मजदूर

सूरत गए ग्वालियर चंबल के मजदूर बड़ी संख्या में धार से मध्य प्रदेश में भूखे-प्यासे पैदल प्रवेश कर रहे हैं। धार जिला प्रशासन ने इन मजदूरों को रोककर उनकी जांच कराई जा रही है, इसके बाद खेतों में टेपरी टेंट बनाकर वहां पर दूरी बनाकर बैठने की व्यवस्था कर दी गई है। यहीं पर इन्हें भोजन भी कराया जा रहा है।

कोरोना से जंग की तैयारी तेज, ट्रेन के कोच को बना रहे आइसोलेशन वार्ड

रेलवे जरूरत के हिसाब से तैयार कर रही है आइसोलेशन वार्ड

नवप्रदेश संवाददाता



भोपाल। कोरोना मरीजों की संख्या लगातार देश में बढ़ती जा रही है। मध्यप्रदेश में भी मरीजों की संख्या 30 के पार पहुंच गई है। सबसे खराब स्थिति इंदौर की है। ऐसे में कोरोना को मात देने के लिए अब तैयारी भी तेज हो गई है। सेना के साथ-साथ रेलवे ने भी अब मोर्चा संभाल लिया है। रेलवे कोच को अब आइसोलेशन वार्ड बनाया जा रहा है। इसकी तैयारी मध्यप्रदेश में भी शुरू हो गई है। कोरोना के मरीजों के लिए संसाधनों की कमी न हो इसके लिए निशातपुरा कोच फैक्ट्री में कोच को आइसोलेशन वार्ड के रूप में तैयार किया जा रहा है। रविवार तक यह तैयार हो जाएगा। चीफ वर्क्स मैनेजर मनीष अग्रवाल ने कहा कि जैसी डिमांड आएगी, हम अन्य कोच और पूरे रैक को भी आइसोलेशन वार्ड में तब्दील कर देंगे। इसके लिए निशातपुरा कोच फैक्ट्री पूरी तरह से तैयार है।

बाहर से हेगी वायरिंग

कुपे के साइज के कोच में एक ही पेशेंट होगा। सामान्य कोच में 110 वोल्ट की सप्लाय के हिसाब से वायरिंग होती है, पर आइसोलेशन वार्ड बनाने पर यहां मेडिकल उपकरण भी लगेंगे। लिहाजा 230 वोल्ट की सप्लाय के लिए बाहर से भी वायरिंग की जा रही है। ताकि मेडिकल उपकरणों के सही तरीके से संचालित किया जा सके। इसमें कहीं से भी कोई दिक्कत न हो।

स्टैंड और ट्रॉली बनाना शुरू

इसके साथ ही निशातपुरा कोच फैक्ट्री में यहां अस्पतालों में काम आने वाले पलंग, ऑक्सीजन ट्रॉली, आई-वी फ्लूड स्टैंड, बैंच, बेड साइड लॉकर का निर्माण हो रहा है। केंद्र सरकार ने तात्कालिक स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए रेलवेने कोच फैक्ट्री में जरूरी मेडिकल संबंधी सामान बनाने को कहा है।

कोरोनावायरस सामाजिक संगठन गरीबों को भोजन पहुंचा रहे निगम की गाड़ियां 380 रुटों पर सब्जियां बेचेंगी, खरीददारों को नियमों का पालन करना जरूरी

कोई भूखा न रहे, इसलिए शहरवासियों ने संभाल लिया है मोर्चा, सुबह नाश्ता, दोपहर और रात के भोजन की फिफ्ट

3 दिन की परेशानी के बाद स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता दिखने लगी, जरूरी नहीं हो तो घरों से नहीं निकल रहे लोग

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोनावायरस के चलते शहर में लगे कर्फ्यू में गरीब लोग कहीं भूखे नहीं रह जाएं, इसके लिए शहरभर में सैकड़ों लोगों ने संकल्प लिया है। लोग सुबह



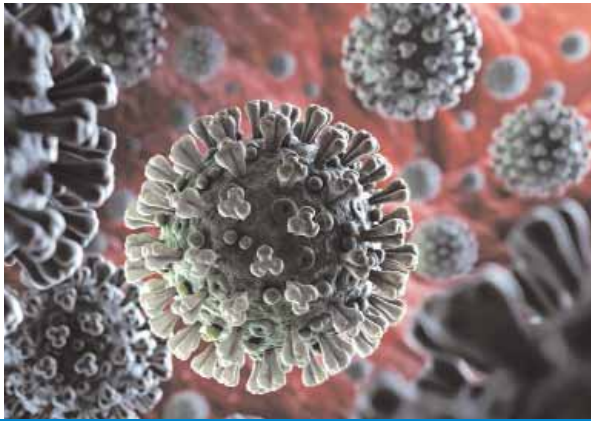
बेसहारा और गरीब लोगों के लिए पहले नाश्ता फिर दोपहर और रात के भोजन की व्यवस्था में लगे हैं। जिला प्रशासन और

नगर निगम की मदद से भी लोगों को भोजन बांटा जा रहा है। 3 दिन की परेशानी के बाद लोग स्वास्थ्य के प्रति भी जागरुक

देखे जा रहे हैं। जब तक जरूरी नहीं हो, लोग घरों से नहीं निकल रहे। शनिवार को नगर निगम की गाड़ियां शहर के 380 रुटों पर वाहनों से घर-घर जाकर सब्जियां बेचेंगी। लेकिन इसके लिए भी नगर निगम ने गाइडलाइन जारी की है। सब्जी सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलेगी जो गाइडलाइन का पालन करेंगे। यानि पर्याप्त दूरी और मास्क लगाकर सब्जी खरीदने आएंगे। किराने के सामान की होम डिलिवरी व्यवस्था असफल होने से अब जिला प्रशासन में किराना दुकानें खुलवाने का निर्णय लिया है। इन दुकानों पर भी लोगों को पर्याप्त दूरी पर सामान खरीदने की हिदायत दी जा रही है। शहर में 5 दिन से कई सामाजिक संस्थाएं असहाय और निर्धन लोगों की सेवा में जुट गई हैं। भोजन, किराना,

सैनिटाइजर, मास्क आदि जरूरत का सामान पहुंचाया जा रहा। शहर की सामाजिक संस्थाएं और कलियों के छात्र प्रशासन की मदद कर रहे हैं। संस्था सेवाभारती द्वारा शहर में चार केंद्र बनाए गए हैं। यहां से जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए यहां जरूरत का सामान और भोजन पैकेट शहर की बस्तियों में लगाकर शाम और रात को बांटे जा रहे हैं। इसी तरह यूथ फाउंडेशन के छात्र भी हर दिन करीब 1500 खाने के पैकेट और अन्य जरूरी सामान लोगों तक पहुंचा रहे हैं। दिगंबर जैन पंचायत की ओर से भी बेसहारा और गरीब लोगों की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। संस्था के लोग हर दिन 500 से अधिक खाने के पैकेट जरूरत मंद लोगों के लिए सुबह

और शाम बांट रहे हैं। आर्दश नगर दुर्गा उत्सव समिति द्वारा भी लोगों की मदद की जा रही है। शहर के कई गुरुद्वारों में लंगर शुरू किए गए हैं। यहां लोग कोरोना वायरस के लिए नर्धारित गाइड लाइन का पालन करते हुए भोजन कर रहे हैं। धार्मिक संगठनों और प्रशासन की अपील के बाद आज शहर में असहाय और फूटपाथ पर रहने वालों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने वालों की संख्या काफी बढ़ गई। कई लोग अपने-अपने वाहनों में भोजन के पैकेट लेकर घूम रहे हैं। जहां कोई गरीब दिखता उसे पैकेट दे देते। नादरा बस स्टैंड, हमीदिया रोड और रेलवे स्टेशन पर लोग अलग-अलग दिन में कई बार भोजन के पैकेट लेकर पहुंचे।



इन दिनों कोरोना वायरस के कारण देश को लॉकडाउन कर दिया गया है। ऐसे में बॉलीवुड सेलेब्स घर पर ही हैं और सोशल मीडिया पर अपना वक्त बिता रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस उर्शी शैतान ने अपनी बिकिनी वाली वीडियो शेयर की हैं। सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है। वीडियो में उर्शी कोशपूर्ण बिकिनी पहने हुए स्वीमिंग पूल में मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। उनकी वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है। बात है कि इससे पहले उर्शी शैतान ने अपनी बिकिनी पोस्ट से सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुकी हैं। आप देख सकेंगे कि उर्शी ने पूल साइड में पोस्टेड करवाया है। इस दौरान उन्होंने फ्लॉर और स्ट्रॉपर बिकिनी पहनी है और सवने लगासेस लगाकर जूनों पर करीब देखी हैं हैं।

आर्डियालो ने कोरोना से लड़ने हेतु ब्रिक्स के सदस्यों को एकत्रित करके कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए एक वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना शुरू की है।

